संपादकीय

चीन में कोरोना नियंत्रित?

अब संकेत यह है कि जीरो-कोविड नीति हटने के बाद संक्रमण तेजी से फैला। लेकिन ओमिक्रोन के जिस सब-वैरिएंट से यह लहर आई, वह जानलेवा नहीं है। इस वजह से लोग बीमार पड़े, अस्पतालों में भीड़ लगी, लेकिन धीरे-धीरे लोग ठीक होने लगे।

चीन से अब आ रही खबरों से यह नहीं लगता कि कुछ समय पहले वहां कोरोना की लहर से तबाही की जैसी तस्वीर पश्चिमी मीडिया में ने बताई, उसमें दम था। अब संकेत यह है कि जीरो-कोविड नीति हटने के बाद संक्रमण तेजी से फैला। लेकिन ओमिक्रोन के जिस सब-वैरिएंट से यह लहर आई, वह जानलेवा नहीं है। इस वजह से लोग बीमार पड़े, अस्पतालों में भीड़ लगी, लेकिन धीरे-धीरे लोग ठीक होने लगे। कुछ-कुछ वैसा ही, जैसा जनवरी 2022 में ओमिक्रोन लहर के समय भारत में हुआ था। अब चीन से शहरों में आम गतिविधियां शुरू होने और अर्थव्यवस्था में रफ्तार बढ़ते की खबरें आ रही हैं। इस हफ्ते तीन साल बाद जैसे ही चीन ने विदेश यात्राओं पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी, पासपोर्ट बनवाने और उन्हें अपडेट कराने वालों का तांता देखने को मिला। देश भर के इमिग्रेशन दफ्तरों के बाहर भारी भीड़ देखी गई है। सोमवार को चीनी पर्यटकों का पहला दल थाईलैंड पहुंचा। चीन की अर्थव्यवस्था खुलने का असर कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी देखने को मिला है। नीति में इस बदलाव का असर शेयर बाजारों में भी दिखा है।

निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि देश को फिर से खोलने से 17 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था में फिर से जान आ सकती है, जो इस वक्त दशकों की सबसे धीमी विकास दर से जूझ रही है। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान जिस नीति परिवर्तन ने खींचा है, वह क्वॉरंटीन जैसी अनिवार्यताओं को खत्म करना है। अब तक नियम यह था कि विदेश से लौटने वालों को लंबे क्वॉरंटीन से गुजरना होता था। इसका तुरंत असर दिखा। जिस तरह अन्य देशों ने चीन से आने वाले लोगों के लिए दरवाजे खोले हैं, उससे भी नही लगता कि वे चीन में फैले संक्रमण से चिंतित हैं। ये खबर रविवार को ही आ गई थी कि दक्षिण कोरिया से चीन की उड़ानों की टिकट पूरी तरह बिक चुकी हैं। तो कुल मिला कर यह दुनिया के लिए अच्छी खबर है। इससे संकटग्रस्त होती विश्व अर्थव्यवस्था की कम से कम एक चिंता दूर होगी।

एक अप्रैल से महंगे हो सकते हैं खाद्य तेल!

नईदिल्ली। चालू रबी सीजन में तिलहन फसलों के रकबे में रिकॉर्ड बढ़ोतरी होने के कारण इस बार रिकॉर्ड उत्पादन का भी अनुमान लगाया जा रहा है। जिसका असर खाद्य तेल की कीमतों पर पड़ेगा। हालांकि तेल कारोबारियों का कहना है कि इस साल खाद्य तेल की कीमतें कम नहीं, बल्कि बढ़ सकती है। क्योंकि एक अप्रैल से खाद्य तेलों का आयात महंगा हो जाएगा जिसका असर घरेलू बाजार पर पड़ेगा।

तिलहन फसलों की लहलहाती फसल इस बार सारे रिकॉर्ड तोड़ती दिखाई दे रही है। तिलहन का रकबा 105.52 लाख हेक्टेयर पहुंच चुका है। जो सामान्य रकबा और औसत क्षेत्र से अधिक है। तिलहन का सामान्य क्षेत्र 78,81 लाख हेक्टेयर है और पिछले पांच साल का सामान्य क्षेत्र 84 लाख हेक्टेयर हैं।

तिलहन फसलों में सरसों की रिकॉर्ड बोआई ने इस बार तिलहन उत्पादन के आसार बढ़ा दिये हैं। देश में अभी तक सरसों की बोआई रिकॉर्ड 96.85 लाख हेक्टेयर हो चुकी है। जो सरसों के सामान्य रकबे 63.46 लाख हेक्टेयर से 33.39 लाख हेक्टेयर अधिक है जबकि पांच साल के औसत क्षेत्र 73.64 लाख हेक्टेयर की तुलना में 23.21 लाख हेक्टेयर अधिक है।

पिछले कुछ महीनों से खाद्य तेल की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है, उसकी वजह सस्ता आयातित खाद्य तेल है। ऐसे में घरेलू किसानों ने उच्च उपज वाली सरसों की रिकॉर्ड बोआई की है। जिससे खाद्य तेलों के और सस्ता होने की उम्मीद बढ़ गई। हालांकि खाद्य तेल कारोबारियों की मानें तो अप्रैल से कीमतें एक बार फिर बढ़ेगी क्योंकि भारत की खाद्य तेल की मांग आयात पर टिकी है। भारत अपनी जरूरत का करीब 60 फीसदी खाद्य तेल आयात करता है।

दरअसल विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, टीआरक्यू के अंतर्गत कच्चे सोयाबीन तेल के आयात की अंतिम तिथि संशोधित कर 31 मार्च 2023 तक दी गई है। इसके बाद 2023-24 के लिए कच्चे सोयाबीन तेल के आयात पर टीआरक्यू नहीं मिलेगा सरकार ने इससे पहले कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल को घरेलू कीमतें नियंत्रित करने के लिए इनके 20-20 लाख टन सालाना आयात पर सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना उपकर की छूट प्रदान की थी।

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष खाद्य तेलों के दामों पर अंकुश लगाने के लिए बिना शुल्क के सूरजमुखी एवं सोयाबीन के कच्चे तेलों को टीआरक्यू कोटा के तहत आयात करने की जो अनुमति दी थी।

स्थानिक बाजारों में खाद्य तेलों के दाम काबू में आ गए हैं। इसलिए सरकार ने अब कच्चे सोयाबीन तेल को शून्य शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत आयात बंद करने का फैसला किया है। टीआरक्यू भारत में निश्चित या शून्य शुल्क पर आने वाले आयात की मात्रा का कोटा होता है। कोटा पूरा होने के बाद अतिरिक्त आयात पर सामान्य शुल्क दर लागू होती है।

इस निर्णय से सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल की कीमतें मार्च के बाद से बढ़ सकती हैं। अभी जो आयात किया जा रहा है उसमें किसी प्रकार का सरकारी शुल्क नहीं दिया जा रहा है। वही कोटा खत्म होने के बाद से सरकारी शुल्क दोबारा से लागू कर दिया जाएगा जिसके फलस्वरूप आयात महंगा होगा।

पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर आरबीआई ने चेताया, राज्यों के लिए खड़ी हो सकती है परेशानी

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ राज्यों के पुरानी पेंशन स्कीम पर जोर देने को लेकर चेताया है। आरबीआई ने कहा कि राज्य पुरानी पेंशन स्कीम लागू करते हैं तो उन्हें वित्तीय प्रबंधन के लिए एक बड़ा खतरा है। आरबीआइ ने राज्यों के वित्त व्यवस्था पर सालाना रिपोर्ट जारी की है जिसमें कोरोना महामारी के बाद राज्यों की वित्तीय स्थिति को काफी आशाजनक बताया है लेकिन पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर चिंता जाहिर की है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने से वित्तीय बचत की जो बातें हैं वो कम समय के लिए ही कारगर हैं। आज वित्त का जो खतरा है उसे आगे आने वाले समय में टालने से राज्यों के सामने यह खतरा खड़ा हो जाएगा कि उन्हें आगे चलकर एक बड़े दायित्व को उन्हें पूरा करना होगा और इसके लिए उन्होंने कोई कोष का इंतजाम भी नहीं किया है।

हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पंजाब, छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत कई विपक्षी शासित राज्यों ने परिभाषित लाभ योजना में वापसी की घोषणा की है, जिसमें सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को मासिक पेंशन के रूप में प्राप्त अंतिम वेतन का 50त्न देने का वादा किया गया है।

आरबीआई की ताजा रिपोर्ट उस समय आई है जब जब देश में ओपीएस एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। इस साल कुछ बड़े राज्यों में चुनाव है और कई राज्य भी पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने की योजना पर काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ, कई आर्थिक जानकार यह कह चुके हैं कि यह कदम राज्यों के भविष्य पर एक बड़ा बोझ लादने जैसा है।

बजट में सरकारी कर्मचारियों के लिए हो सकती है बड़ी घोषणा, बढ़ सकती है सैलेरी

नईदिल्ली। सरकारी कर्मचारियों के लिए ये साल खुशखबरी लेकर आने वाला बन सकता है और इसका कारण यह है की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को बजट पेश करने जा रही है और इस बजट में सरकार कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दे सकती है। जानकारी सामने आई है की सरकारी कर्मचारियों के वेतन के फिटमेंट फैक्टर को बदला जा सकता है।

जानकारी के अनुसार अगर फिटमेंट फैक्टर को बदला जाता है तो सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी हो जाएगी। फैक्टर में बढ़ोतरी के तहत मिनिमम सैलरी को वर्तमान में 18,000 रुपये से बढ़ाकर 26,000 रुपये किया जा सकता है।

अगर ऐसा होता है तो कर्मचारियों को बहुत बड़ा फायदा हो जाएगा। जानकारी के अनुसार फिटमेंट फैक्टर एक वैल्यू होता जिसे कर्मचारियों की सैलरी को निर्धारित करने के लिए मूल वेतन से गुणा किया जाता है। ऐसा हो जाता है तो सरकारी कर्मचारियों के लिए किसी खुशी से कम नहीं होगा।

विंडफॉल टैक्स में हुई कटौती, तेल कंपनियों को होगा फायदा

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने एक बार फिर विंडफॉल टैक्स बदलाव किया है। इस बार सरकार ने विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। कच्चे तेल, डीजल और जेट फ्यूल पर विंडफॉल टैक्स को घटाया गया है। घरेलू बाजार में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 200 रुपये प्रति टन घटाकर 1900 रुपए प्रति टन कर दिया गया है पहले ये 2100 रुपए प्रति टन था। वहीं जेट फ्यूल (एटीएफ) पर 1 रुपये प्रति लीटर की कटोती की है। अब एटीएफ 3.5 रुपए प्रति लीटर हो गया है पहले इसका दाम 4.5 रुपए प्रति लीटर था।

डीजल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में डेढ़ रुपये की कटौती की गई है। अब ये 6.5 रुपए प्रति लीटर से घटकर 5 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पेट्रोल पर किसी तरह का टैक्स नहीं लगेगा। पहले भी पेट्रोल निर्यात पर किसी तरह का टैक्स नहीं लगता था।

इससे पहले 2 जनवरी को विंडफॉल टैक्स में प्रति टन के हिसाब से 400 रुपये की बढ़त की गई थी। यानी घरेलू स्तर उत्पादित हुए कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 1700 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 2100 रुपए प्रति टन कर दिया गया था।

वहीं डीजल एक्सपोर्ट पर 1.5 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, पहले ये ड्यूटी 5 रुपए की लगती थी, जिसे बढ़ाकर 6.5 रुपए कर दिया गया। इसके अलावा एटीएफ पर इसे 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया गया था।

विंडफॉल टैक्स घटने से तेल कंपनियों को फायदा होगा। आज रिलायंस, ओएनजीसी, गेल इंडिया, ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों के स्टॉक में एक्शन दिख सकता है।

विंडफॉल टैक्स ऐसी कंपनियों या इंडस्ट्री पर लगाया जाता है, जिन्हें किसी खास तरह की परिस्थितियों में इमिडिएट रूप से काफी लाभ होता है। भारत की तेल कंपनियां इसका अच्छा उदाहरण हैं. यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया।

चोट का समय मुश्किल था, मगर अभ्यास नहीं छोड़ा : पीवी सिंधु

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने कहा कि चोट के कारण उनका जो समय कोर्ट से दूर गुज़रा वह मुश्किल था, लेकिन उन्होंने इसके बावजूद अभ्यास करना नहीं छोड़ा।

अगस्त 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में सिंधु की बाईं एड़ी फ्रैक्चर हो गयी थी। उन्होंने चोट के बावजूद फाइनल खेलते हुए स्वर्ण पदक जीता, हालांकि इसके बाद वह करीब पांच महीने तक कोर्ट से दूर रहीं।

सिंधु ने इंडिया ओपन 2023 से पूर्व यूनीवार्ता से कहा, मेरी चोट एड़ी में थी, बाकी शरीर ठीक तरह काम कर रहा था, तो मैं खड़े होकर स्ट्रोक्स का अभ्यास करती थी। उसके बाद काफी समय बच रहा था तो उसे मैंने परिवार के साथ

बिताया।

उन्होंने कहा, ज़ाहिर है कि कुछ दिन घर में रही थी। मुझे हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ था, जिसमें काफी दर्द हो रहा था। डॉक्टर ने मुझे कुछ दिन आराम करने के लिये कहा। थोड़े दिन बाद मैं खड़ी हो पा रही थी, सो मैंने खड़े होकर स्ट्रोक्स अभ्यास करना शुरू किये क्योंकि मैं पैर को ज्यादा हिला नहीं सकती थी।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने इस साल के पहले टूर्नामेंट मलेशिया ओपन 2023 के जरिये कोर्ट पर वापसी की, हालांकि उन्हें पहले ही चरण में चिर-प्रतिद्वंदी स्पेन की कैरोलिना मारिन के हाथों 12-21, 21-10, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैं चोट के बाद इस बात से खुश थी कि मैं अपना श्रेष्ठतम खेल दिखा सकी। वह मुकाबला तीन गेम तक चला, इसलिये मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट थी, क्योंकि चोट से लौटकर खेलना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, मैं खुश हूं कि मैं अपना सौ प्रतिशत दे सकी। जीत और हार जीवन का हिस्सा है, लेकिन आपका अपने खेल से संतुष्ट होना जरूरी है। जैसा कि मैंने कहा, चोट से लौटकर खेलना आसान नहीं था।

राजनाथ के पुत्र नीरज करेंगे राष्ट्रीय बैडमिंटन में यूपी का प्रतिनिधित्व

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र नीरज सिंह राजस्थान के उदयपुर में खेली जाने वाली आल इंडिया मास्टर्स रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। नीरज ने ट्वीट कर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, आप सभी को बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता एवं उत्साहित हूँ की मैं कल (ऑल इंडिया मास्टर्स रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2023 उदयपुर) डबल कैटेगरी में कल अपने प्रदेश उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूँ, ये मेरा प्रथम नेशनल स्तर का गेम है। नीरज ने इसके बाद एक और ट्वीट कर अपने खेल करियर के लिये प्रशंसकों से शुभकामना की अपील की है। उन्होने लिखा आशा करता हूँ की आप सभी की शुभकामनाएं मुझे प्राप्त होगी और मैं कल अपने प्रदेश का नाम रोशन करूँगा।

गौरतलब है कि नीरज सिंह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यक्रमों में सक्रिय रहते हैं। बैडमिंटन से उनका नाता नया नहीं है। इससे पहले भी कई घरेलू प्रतियोगिताओं में शिरकत कर चुके हैं। राष्ट्रीय स्तर पर उनका यह पहला टूर्नामेंट होगा जिसमें वह उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

रक्षा मंत्री के बड़े पुत्र पकंज सिंह नोएडा से भाजपा के विधायक हैं। इससे पहले भी कई खिलाड़ी खेल की दुनिया से राजनीति में कदम रख चुके हैं, इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर और हरियाणा की पहलवान गीता फोगाट शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष : आज आपके पास पर्याप्त समय होने पर भी व्यस्त ही रहोगे। योगा, प्राणायाम अवश्य करें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे।

वृष : आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं।

मिथुन : आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी।

कर्क : घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है।

सिंह : अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है।

कन्या : आज आपका दिन मनोनुकूल रहेगख । शारीरक लाभ मिलेगा। अनुभवी लोगों से जुडक़र जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आखिऱी वक़्त पर टल सकती है।

तुला : आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे। धार्मिक रूचि बढेगी। जीवनसाथी के साथ मधुर सम्बंध बनाए रखें लक्ष्मी वास होगा।

वृश्चिक : आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं।

धनु : मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। मित्र मण्डली का सकारात्मक सहयोग रहेगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहेगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें। खुद के लिए समय निकालें। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है।

कुंभ : आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल-ए-तारीफ़ है।

मीन : अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है।

तमन्ना भाटिया अपनी आगामी परियोजनाओं के लिए तैयार

तमन्ना भाटिया ने खुद को इंडस्ट्री की सबसे होनहार अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया है। अभिनेत्री ने बाहुबली, सई रा नरसिम्हा रेड्डी, एफ3 और बबली बाउंसर जैसी विभिन्न फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से यह साबित कर दिया है कि वह एक सुंदर चेहरे से कहीं अधिक हैं। अभिनेत्री अब 'बांद्रा' के साथ मलयालम फिल्म उद्योग में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।एक सूत्र ने कहा, '2023 तमन्ना के लिए बहुत व्यस्त होने वाला है। कथित तौर पर अभिनेत्री शूटिंग के लिए 20 जनवरी को केरल के लिए रवाना होने वाली है।

मलयालम डेब्यू में अभिनेत्री को देखने के लिए प्रशंसक इंतजार कर रहे है। वह उन कुछ सितारों में से एक हैं जिन्होंने तीन फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है: तमिल, तेलुगु और हिंदी और बैक टू बैक प्रोजेक्ट रिलीज़ के साथ 2022 शानदार रहा है। अब वह बांद्रा के साथ मलयालम इंडस्ट्री में छा जाने के लिए तैयार हैं।

अभिनेत्री ने 2022 कान्स फिल्म फेस्टिवल और इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2022 में भाग लिया और इन वैश्विक मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व किया। अभिनेत्री के पास 2023 के लिए कई आशाजनक परियोजनाएं हैं – प्राइम वीडियो का जी करदा और नेटफ्लिक्स की लस्ट स्टोरीज़।

शिल्पा शिंदे शो मैडम सर से कर रहीं छोटे पर्दे पर वापसी

पॉपुलर कॉमेडी शो भाभीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर देशभर में मशहूर हुई अभिनेत्री शिल्पा शिंदे करीब सात साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार है। वह जल्द ही सब टीवी के कॉमेडी शो मैडम सर में दिखेंगी। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर एसीपी नैना माथुर का किरदार निभाती नजर आएंगी। शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इस खबर की पुष्टि की है। शिल्पा ने इंस्टा पोस्ट में लिखा, मैं मैडम सर में एसीपी नैना माथुर का किरदार निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि आप सभी को मेरा यह रोल बेहद पसंद आएगा। आप सभी का मनोरंजन करने के लिए मैं अच्छा प्रर्दशन करूंगी। बता दें, साल 1999 में शिल्पा ने टेलीविजन की दुनिया में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें बड़ी पहचान भाभीजी घर पर हैं से मिली।

बच्चों को टिफिन में पैक करके दें वेज रैप्स

बच्चों को टिफिन में ऐसा क्या दें जिसे वो बिना नाक-भौं सिकोंड़े खा लें और जो टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी हो, इसके लिए वेज रैप्स हैं बेस्ट ऑप्शन, जहां जानें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

2 टेबलस्पून ऑयल, 1 प्याज बारीक कटा, 1 टीस्पून लहसुन बारीक कटा, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, 1 इंच अदरक बारीक कटी, 1 गाजर बारीक कटी, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून जीरा पाउडर, 1/2 टीस्पून चाट मसाला, 2 टीस्पून शेज़वान सॉस, 3 आलू उबालकर कद्दूकस किए हुए

रैप बनाने के लिए- 1 कप मैदा, 1/2 टीस्पून चीनी पाउडर, 1 टीस्पून नमक, 2 टेबलस्पून ऑयल, 4 टेबलस्पून दही, 1 कप दूध, 1/2 कप मोजेरेला चीज़

विधि :

- सबसे पहले पैन में ऑयल गर्म करें और उसमें प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, अदरक, शिमला मिर्च, गाजर डालें। सारी चीज़ें हल्की फ्राई होने पर लाल मिर्च, जीरा पाउडर, चाट मसाला, शेज़वान सॉस, उबले आलू, नींबू का रस, हरा धनिया, नमक डालें और अच्छी तरह मिक्स करके बोल में निकाल लें।

रैप बनाने की विधि - बोल में एक टेबलस्पून मैदा छोड़कर बाकी मैदा, शुगर पाउडर, नमक, ऑयल, दही डालें और इन्हें व्हिस्कर को मदद से मिक्स करें। मिश्रण में दूध को धीरे-धीरे मिलाते हुए पतला घोल बना लें। इसके बाद नॉन स्टिक तवे पर हल्की सी चिकनाई लगाएं। उस पर बैटर से चीले जैसा गोल रैप फैलाएं और दोनों तरफ से हलका सेंक लें। इस तरह सभी रैप तैयार करें। सारे रैप तैयार होने पर एक बोल में बचा हुआ मैदा लें और उसमें थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें। रैप के बीचों-बीच आलू की स्टफिंग रखकर चीज़ फैला दें। इसे एक तरफ से फोल्ड करें, फिर पहले फोल्ड पर मैदा का घोल लगाकर उस पर दूसरा फोल्ड रखकर चिपकाएं। तवे पर ऑयल लगाकर रैप को दोनों तरफ से सेंकें और गर्मागर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 315

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

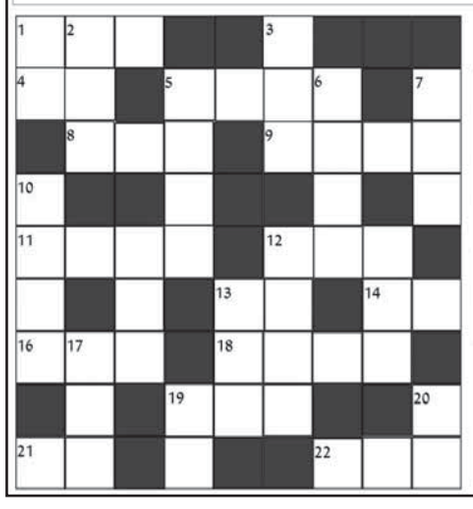

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 314 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू- 315

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.314 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6